प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 22 जून, 2025 :-

(1) “शिक्षा और संस्कार के समन्वय से ही समाज का सशक्त निर्माण संभव” – राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत बिन्देश्वरी लाल साहू सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भलमण्डा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर लांसनायक अल्बर्ट एक्का के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा सैकड़ों विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं, यह संगठन वर्षों से झारखण्ड के दूरस्थ ग्रामों एवं जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल महोदय ने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत, गुजरात ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित 236वां सरस्वतीधाम (बालिका छात्रावास) के लोकार्पण के संदर्भ में बोलते हुए कहा

कि आज यहाँ आरम्भ यह छात्रावास केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय अंचल की बालिकाओं के स्वावलंबन, आत्मबल और उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। उन्होंने इस छात्रावास के निर्माण में सहयोग प्रदान हेतु बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होकर शिक्षा के लिए प्रयास करता है, तब परिवर्तन की दिशा सुनिश्चित होती है। उन्होंने उल्लेख करते हुए कि हाल ही में उन्हें विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा नगड़ी, कुदलुंग में आयोजित जनजातीय प्रवासी कार्यकर्ता प्रशिक्षण समापन समारोह में भाग लेने का अवसर मिला, जहाँ उन्होंने समिति की कार्यपद्धति और प्रतिबद्धता को निकट से देखा और अनुभव किया।

माननीय राज्यपाल ने माननीय प्रधानमंत्री जी के दृष्टिकोण– 'बेटी पढ़ेगी, तभी देश बढ़ेगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखण्ड में अधिकाधिक संख्या में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना जनजातीय प्रतिभाओं को शिक्षा और अवसर देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने हाल ही में श्रीहरि वनवासी कल्याण केन्द्र से सम्बद्ध वनवासी विकास समिति के एक कार्यक्रम में भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज और सेवा संस्थाएँ मिलकर झारखण्ड के वनवासी अंचलों में शिक्षा, संस्कार और परिवर्तनों की आधारशिला रख रही हैं। सुमन रमेश तुलस्यानी ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा बच्चों हेतु दो बसें प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में

कार्य करने हेतु समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट सूरत, गुजरात के केशुभाई जी को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य (236 सरस्वतीधाम की स्थापना) हेतु अत्यंत बधाई दी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षा वही जो संस्कार दे और संस्कार वही जो समाज को दिशा दे। यह छात्रावास उसी विचार का मूर्त रूप है। उन्होंने कहा कि यह परिसर केवल आवासीय सुविधा न होकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र सेवा का केंद्र बने।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार, विद्या विकास समिति के सदस्यों, समाजसेवियों, शिक्षकों, अभिभावकों, ग्रामिणों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड स्थित ज्ञान निकेतन विद्यालय परिसर में विकास भारती संस्था द्वारा आयोजित वृक्षारोपण महोत्सव एवं बाल संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के सतत विकास की आधारशिला है और समाज के हर वर्ग को इस दिशा में सजगता और गंभीरता से प्रयास करने की आवश्यकता है।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी भारत का भविष्य हैं। नियमित रूप से पढ़ाई करें, मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ें। यही मार्ग आपको तरक्की की ओर ले जाएगा।

माननीय राज्यपाल ने पद्मश्री श्री अशोक भगत जी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास समाज के लिए अत्यंत आवश्यक, अनुकरणीय और प्रेरणादायक हैं। उन्होंने विकास भारती संस्था द्वारा शिक्षा, स्वावलंबन और जनजातीय उत्थान के लिए किए जा रहे कार्यों को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि अगली बार जब वे यहाँ आएँगे, तो बच्चों के साथ भोजन करेंगे।

राज्यपाल महोदय ने विकास भारती बिशुनपुर की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

(3) झारखंड में पर्यटन के साथ फ़िल्म के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं – राज्यपाल

नेतरहाट (घाघरी), माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित लोअर घाघरी क्षेत्र में चल रही हिंदी फीचर फिल्म "सहिया" की शूटिंग स्थल का अवलोकन किया। फिल्म के सेट पर पहुँचकर राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण से जुड़ी पूरी टीम से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति की अनुपम देन है, जहाँ घाटियाँ, जलप्रपात और हरियाली एक अद्भुत सिनेमाई पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि फिल्म निर्माण के लिए भी अपार संभावनाओं से भरा है। उन्होंने कहा कि फ़िल्म निर्माण हेतु अधिक से अधिक निर्माता-निर्देशक झारखंड आएँ।

विदित हो कि फिल्म "सहिया" के निर्माता संजय शर्मा हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में लोकप्रिय युवा अभिनेता शांतनु महेश्वरी, वरिष्ठ कलाकार नीरज काबी, रमन गुप्ता और अभिनेत्री रिंकू राजू शामिल हैं।

राज्यपाल महोदय को फिल्म की विषयवस्तु, लोकेशन चयन, तकनीकी पक्ष तथा स्थानीय कलाकारों की भागीदारी के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि फिल्म में झारखंड के स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को भी अवसर दिया जा रहा है। यह राज्य की प्रतिभा के लिए एक प्रेरणादायक अवसर है।

राज्यपाल महोदय ने फिल्म निर्माण दल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि झारखंड की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण फिल्म उद्योग को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम है। आशा है कि झारखंड आने वाले वर्षों में एक प्रमुख फिल्म शूटिंग स्थल के रूप में उभरेगा।

नेतरहाट पहुंचने पर उपायुक्त श्री उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव ने स्वागत किया तथा इस क्षेत्र की विशेषताओं से अवगत कराया।